लव जिहाद और गैंगरेप की खौफनाक कहानी

- पीड़िता से दरिंदगी, दो अस्पतालों में कराया गर्भपात

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में सामने आए लव जिहाद और सामूहिक दुष्कर्म के सनसनीखेज मामले ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है. पीड़िता के साथ की गई हैवानियत सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि समाज और सिस्टम दोनों पर बड़ा सवाल है. उसे लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया. आरोप है कि उसे नशीला पदार्थ एमडी खिलाकर बार-बार गैंगरेप किया. इस पूरे घटनाक्रम को संगठित तरीके से अंजाम दिया, जिसमें कई लोग शामिल रहे. मामले को लेकर हिंदूवादी संगठन करणी सेना ने खुलकर आक्रोश जताया है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है.

मामले का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह सामने आया है कि पीड़िता का गर्भपात इंदौर के दो अलग-अलग निजी अस्पतालों में कराया गया. एक बार स्कीम नंबर 114 स्थित सर्वोत्तम अस्पताल में और दूसरा बापट चौराहा स्थित नाहर अस्पताल में कराया गया. इस तथ्य ने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. करणी सेना का कहना है कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि गर्भपात किसकी सहमति से और किन हालात में कराया. पीड़िता ने यह भी आरोप लगाए हैं कि दुष्कर्म के बाद उसके साथ बेरहमी से मारपीट की गई. 3 से 4 युवकों ने मिलकर उसे धमकाया और चुप रहने का दबाव बनाया.

एजाज खान अपने दोस्तों के साथ बारी-बारी करता रहा रेप

आरोप है कि मुख्य आरोपी एजाज खान अपने दोस्तों के साथ मिलकर पीड़िता के साथ बारी-बारी से दुष्कर्म करवाता था. हैरान करने वाली बात यह है कि यह सब पीड़िता के चार साल के बच्चे के सामने किया जाता रहा और बच्चे के साथ भी मारपीट की गई. करणी सेना का कहना है कि यह मामला केवल दुष्कर्म तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे मानसिक उत्पीड़न, दबाव और सुनियोजित साजिश है. संगठन ने प्रशासन से स्पष्ट शब्दों में मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाए. करणी सेना ने मांग की है कि सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए, गर्भपात से जुड़े दोनों अस्पतालों की भूमिका की जांच हो, पीड़िता को पूरी सुरक्षा और मुआवजा दिया जाए तथा मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराकर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए.

करणीसेना ने दी कड़ी चेतावनी

संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि किसी भी स्तर पर मामले को दबाने या आरोपियों को बचाने की कोशिश की गई, तो करणी सेना सड़क से लेकर प्रशासनिक कार्यालयों तक आंदोलन करेगी. इस दौरान करणी सेना के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मानसिंह राजावत, नितिन सिंह ठाकुर, अंकित विश्वकर्मा सहित अन्य शामिल थे. संगठन ने साफ कहा कि बेटियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा.

डॉक्टर पर हमले की साजिश में दो और आरोपियों को पकड़ा

- जेल में बंद गैंगस्टर के कहने पर किया था डॉक्टर पर हमला
- डॉक्टर से रंजिश के चलते गैंगस्टर हेमंत यादव ने दी थी 50 हजार रुपए की सुपारी

नव भारत न्यूज

इंदौर. विजयनगर थाना क्षेत्र में आर्थोपेडिक डॉक्टर पर हुए जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है. जांच में सामने आया है कि हमला जेल में बंद गैंगस्टर हेमंत यादव के कहने पर किया गया था. आरोपियों ने सुपारी लेकर डॉक्टर की कार पर बेसबॉल के डंडों से हमला किया था. घटना कुछ दिन पहले की है, जब डॉ. शिवकुमार यादव कार से जा रहे थे. इसी दौरान बदमाशों ने उनकी गाड़ी को घेर लिया और चारों तरफ से डंडों से वार किए. अचानक हुए हमले से डॉक्टर घबरा गए, लेकिन उन्होंने कार का दरवाजा नहीं खोला, जिससे उनकी जान बच गई. घटना के बाद विजयनगर पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था.

थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल ने बताया कि पुलिस जांच और आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि इस हमले की साजिश गैंगस्टर हेमंत यादव ने जेल में रहते हुए रची थी. हेमंत हत्या के प्रयास के मामले में पांच साल की सजा काट रहा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने भी बरकरार रखा है. पूछताछ में पता चला है कि हेमंत को डॉक्टर से रंजिश थी, कुछ समय पहले एक सड़क हादसे में घायल उसके बेटे मोहित का ऑपरेशन डॉ. यादव ने किया था, जिसमें उसका पैर काटना पड़ा था. हेमंत का मानना था कि डॉक्टर की लापरवाही से उसका बेटा अपंग हुआ, इसी वजह से उसने बदला लेने की योजना बनाई. जांच में सामने आया कि हेमंत ने जेल में रहते हुए देवास निवासी जाहिद उर्फ भैया और खजराना निवासी मोहसिन लाला को 50 हजार रुपए की सुपारी दी थी.

मामले में पहले ही पकड़े जा चुके थे दो आरोपी

जाहिद हत्या के एक मामले में 15 साल की सजा काट चुका है और हाल ही में जेल से बाहर आया था. मोहसिन लाला भी पहले जेल में बंद रहा है, जिसकी जमानत हेमंत ने कराई थी. इस हमले में शामिल मोहसिन लाला और साजिद उर्फ अब्दुल गफ्फार को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है. पुलिस को सूचना मिली थी कि जाहिद उर्फ भैया और आसिफ खजराना क्षेत्र में स्टार चौराहे पर खड़े हैं. सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और दोनों को पकड़ लिया. गिरफ्तारी में थानेदार अजय सिंह कुशवाह, सहायक उप निरीक्षक भूपेंद्र गुर्जर और पुलिसकर्मियों की भूमिका रही. फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है. पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में हमले से जुड़ी अन्य जानकारियां और नेटवर्क का खुलासा हो सकता है.

ट्रेडिंग, टॉस्क, लोन और ओटीपी के नाम पर लाखों की ठगी

- साइबर ठगों का आतंक : लगातार सामने आ रहे केस

इंदौर. शहर में साइबर ठगी के मामलों में लगातार बढ़ोतरी सामने आ रही है. अलग-अलग थाना क्षेत्रों में ट्रेडिंग, ऑनलाइन टास्क, मुद्रा लोन और ओटीपी के नाम पर लोगों से लाखों रुपए की धोखाधड़ी की गई है. पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में यूएसडीटी ट्रेडिंग के नाम पर एक व्यक्ति से करीब आठ लाख रुपए की ठगी की गई. आरोपियों ने मोबाइल नंबरों और एक वेबसाइट के जरिए खुद को ट्रेडिंग एक्सपर्ट बताकर भरोसा दिलाया. पांच दिन की ट्रेडिंग के दौरान फरियादी के इंडसइंड बैंक, एसबीआई और पंजाब नेशनल बैंक के अलग-अलग खातों और यूपीआई में रकम ट्रांसफर करवा ली गई. बाद में न तो मुनाफा मिला और न ही संपर्क हो पाया. इसी तरह एरोड्रम थाना क्षेत्र में एक युवती को ऑनलाइन टास्क के नाम पर झांसे में लिया. आरोपी ने खुद को वीआईपी मेंबर बताते हुए चार टास्क दिए और पहले भरोसा जीतकर यूपीआई के जरिए 1 लाख 63 हजार 600 रुपए ले लिए. इसके बाद और रकम की मांग की गई, जिस पर शंका होने पर पीड़िता ने पैसे देने से इनकार किया. तब ठगी का खुलासा हुआ.

बैंक, वित्तीय संस्थान कभी भी फोन या लिंक के जरिए ऐसी मांग नहीं करते-पुलिस ने सभी मामलों में संबंधित थानों में अपराध दर्ज कर साइबर सेल की मदद से मोबाइल नंबरों, बैंक खातों, वेबसाइट और डिजिटल ट्रांजेक्शन की जांच शुरू कर दी है. पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, लिंक, ओटीपी, ट्रेडिंग ऑफर, टास्क या लोन के नाम पर पैसे जमा न करें, क्योंकि बैंक और वित्तीय संस्थान कभी भी फोन या लिंक के जरिए ऐसी मांग नहीं करते.

मुद्रा लोन का झांसा देकर साढ़े पांच लाख की ठगी

लसूड़िया थाना क्षेत्र में मुद्रा लोन दिलाने का झांसा देकर साढ़े पांच लाख रुपए से अधिक की ठगी की गई. आरोपी ने खुद को बैंक कर्मचारी बताकर लिंक भेजा और पहले प्रोसेसिंग फीस के नाम पर 8,800 रुपए जमा कराए. इसके बाद अलग-अलग चार्ज बताते हुए 18 ट्रांजेक्शन में 5 लाख 18 हजार 940 रुपए फरियादी और उसकी पत्नी के खातों से ट्रांसफर करवा लिए. इसी प्रकार परदेशीपुरा थाना क्षेत्र में लिंक और ओटीपी के जरिए क्रेडिट कार्ड से ठगी का मामला सामने आया. अलग अलग मोबाइल नंबरों से कॉल कर फरियादी का मोबाइल हैंग कराया और इसके बाद मोबिक्विक सिस्टम्स के नाम पर एसबीआई क्रेडिट कार्ड से करीब 1 लाख 27 हजार 984 रुपए के ट्रांजेक्शन कर लिए.

गश्त के दौरान तड़ीपार पकड़ाया

इंदौर. परदेशीपुरा पुलिस ने एक तड़ीपार को घूमते हुए पकड़ा है. सब उपनिरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि गश्त के दौरान टापू नगर क्षेत्र में एक युवक प्रतिबंध के बावजूद संदिग्ध हालत में घूमता मिला. पूछताछ और दस्तावेजों की जांच में सामने आया कि उसके खिलाफ पहले से प्रतिबंधात्मक आदेश जारी हैं. इसके बाद पुलिस ने उसे मौके से हिरासत में ले लिया. आरोपी की पहचान रोहन उर्फ पापकार्न पिता किशन कदम, उम्र 20 वर्ष, निवासी टापू नगर परदेशीपुरा इंदौर के रूप में हुई है, आरोपी से पूछताछ की जा रही है.

एक नजर में

अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

महू. एडवांस टेक्नोलॉजी एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर, हर्निया खेड़ी में राष्ट्रीय मानव अधिकार महिला एवं बाल विकास आयोग द्वारा अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें प्रदेश सचिव डॉ. कनक पटेरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं. उनके साथ डॉ. दिनेश चौधरी एवं राजेश सिसोदिया ने भी सहभागिता की. अपने संबोधन में डॉ. कनक पटेरिया ने विद्यार्थियों को मानव अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के महत्व को समझाते हुए कहा कि जागरूक युवा ही सशक्त समाज की नींव होते हैं. इस अवसर पर मानव अधिकार टीम द्वारा छात्रों को उनके अधिकारों की जानकारी दी गई तथा संस्था के मेधावी एवं होनहार विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य अंशुल मिश्रा, तुषार त्रिवेदी सहित संस्था के समस्त प्रोफेसरगण उपस्थित रहे. आभार डॉ. दिनेश चौधरीने माना. ज्ञात हो कि संस्था 8वीं एवं 10वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उन्नत सुविधाओं के माध्यम से मशीनिस्ट, फिटर, इलेक्ट्रिशियन, कोपा एवं वेल्डिंग जैसे प्रमुख इंजीनियरिंग ट्रेडों में व्यवहारिक एवं उद्योग-संरक्षित प्रशिक्षण प्रदान कर रही है, जिससे विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा मिल रही है.

वीर बाल दिवस पर अद्भुत बलिदान को शत-शत नमन

महू. भारत रक्षा मंच द्वारा मानपुर के गुरुकुल विद्यालय में वीर बाल दिवस आयोजित किया गया. स्कूल के बच्चों को प्रोजेक्टर के माध्यम से यह बताया गया कि किस तरह सिख गुरु गोविंद सिंह जी का पूरा परिवार धर्म और मानवता की रक्षा के लिए शहीद हो गया. उनके साहिबजादों ने धर्म के लिए साहस और वीरता के साथ अपनी जान न्यौछावर कर दिए. बच्चों को बताया गया कि गोविंद सिंह जी के छोटे साहब जाद बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी मासूमियत की उम्र में दीवार में चुनवा दिया गया, पर झुके नहीं. अत्याचार के सामने अडिग रहकर उन्होंने दुनिया को बता दिया कि सच्चाई की जड़ें कितनी गहरी होती हैं. उनका बलिदान हमें सिखाता है कि धर्म, सत्य और न्याय के लिए उम्र नहीं हौसला चाहिए. इस तरह मुगल साम्राज्य खत्म कराया आज उनकी वजह से हम चेन की सांसें ले रहे हैं. इस अवसर पर बच्चों को आदर्श, न्याय, साहस, मानवता, देश प्रेमी, धर्म प्रेमी, मुखर और प्रखर बनने के लिए संकल्प दिलाया. कार्यक्रम का आयोजन भारत रक्षा मंच के विभाग संगठन मंत्री रीता प्रधान के सानिध्य में किया गया. इस अवसर पर मंच के महू नगर अध्यक्ष श्याम सुले, श्याम परमार, चंदा कुंडलवाल, अमृता वर्मा, स्कूल के प्राचार्य और पूरा स्टॉफ उपस्थित रहा.

देवड़ा शिक्षक संघ के जिला प्रवक्ता मनोनीत

इंदौर. शासकीय प्राथमिक शाला, माध्यमिक शाला और उच्चतर माध्यमिक शाला के शिक्षकों ने मार्च 2025 में पीएमयूएमएस शिक्षक संघ का गठन किया है. इसकी जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया जा रहा है. नवगठित शिक्षक संघ के देवास जिलाध्यक्ष अभिजीत सिंह बैस ने देवास जिला प्रवक्ता पद पर अजब सिंह देवड़ा को मनोनीत किया. श्री देवड़ा ने बताया कि इस संघ के 75 हजार शिक्षक सदस्य बन चुके हैं. श्री देवड़ा ने बताया कि संघ के किसी सदस्य शिक्षक साथी की असमय मृत्यु हो जाती है तो अन्य सभी साथी उसके परिवार को आर्थिक सहायता के लिए कृतसंकल्प है।

चाइनीज मांझे पर सख्ती : बाजारों में चेकिंग के साथ जागरूकता अभियान

- पुलिस ने एनाउंसमेंट कर बताया दुष्परिणाम
- पुलिस द्वारा की जा रही उपयोग न करने की अपील

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ इंदौर पुलिस ने कार्रवाई के साथ-साथ जनजागरूकता अभियान भी तेज कर दिया है. दुकानों और बाजारों में सघन चेकिंग की जा रही है, वहीं पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए आम नागरिकों को चाइनीज मांझे के खतरनाक दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए इसका उपयोग न करने की अपील की जा रही है.

किसी की खुशी दूसरे के जीवन की कीमत पर नहीं होनी चाहिए

पुलिस ने भावुक अपील करते हुए कहा कि किसी की खुशी किसी दूसरे के जीवन की कीमत पर नहीं होनी चाहिए. पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया कि वे चाइनीज मांझे का इस्तेमाल न करें और केवल पारंपरिक सूती धागे का ही उपयोग करें. साथ ही अपील की गई कि यदि कहीं भी चाइनीज मांझा बेचा, भंडारित किया जा रहा हो या उसका उपयोग होता दिखे, तो तुरंत स्थानीय पुलिस या इंदौर पुलिस के क्राइम वॉच नंबर 7049108283 पर सूचना दें, ताकि संबंधितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके.

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में अवैध रूप से प्रतिबंधित चाइनीज मांझा खरीदने और बेचने वालों पर नियंत्रण के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है. साथ ही इसके उपयोग से होने वाली गंभीर दुर्घटनाओं को लेकर लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इसी कड़ी में एमजी रोड थाना क्षेत्र के मेवाती मोहल्ला और काछी मोहल्ला में पतंग की दुकानों और बाजारों में विशेष सर्चिंग अभियान चलाया. अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-03 रामस्नेही मिश्रा ने थाना प्रभारी एमजी रोड और हीरानगर पुलिस के साथ दुकानों की जांच की.

पुलिस ने कठोर दंडात्मक कार्रवाई की दी चेतावनी

सर्चिंग के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि कहीं भी चाइनीज मांझे का क्रय-विक्रय या भंडारण न हो. पुलिस अधिकारियों ने दुकानदारों को सख्त हिदायत दी कि यदि कोई भी व्यक्ति चाइनीज मांझा बेचते, खरीदते या पतंग उड़ाने में उपयोग करते पाया गया, तो उसके खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी. अभियान के दौरान पुलिस ने पीए सिस्टम से एनाउंसमेंट कर लोगों को चाइनीज मांझे पर लगे प्रतिबंध की जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह मांझा न केवल निर्दोष पक्षियों के लिए जानलेवा है, बल्कि राहगीरों, दोपहिया वाहन चालकों और बच्चों के लिए भी गंभीर चोट और मौत का कारण बन सकता है.

'हमारी सवारी भरोसे वाली' स्कॉच पुरस्कार के लिए नामांकित

- जीआरपी इंदौर की पहल को मिला राष्ट्रीय मंच

नव भारत न्यूज

इंदौर. रेल यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को मजबूत करने के उद्देश्य से शासकीय रेलवे पुलिस इंदौर द्वारा शुरू की गई पहल 'हमारी सवारी भरोसे वाली' को प्रतिष्ठित स्कॉच पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है. यह योजना रेलवे स्टेशन और आसपास संचालित ऑटो सेवाओं को सुरक्षित और भरोसेमंद बनाने की दिशा में एक प्रभावी प्रयोग साबित हुई है.

जीआरपी इंदौर ने विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस व्यवस्था को लागू किया है. इसके तहत ऑटो चालकों को क्यूआर कोड आधारित पहचान प्रणाली से जोड़ा गया है. इससे चालक की पहचान, जानकारी और निगरानी संभव हो सकी है, जिससे आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण के साथ यात्रियों का भरोसा भी बढ़ा है. इस व्यवस्था में यात्री क्यूआर कोड स्कैन कर ऑटो चालक की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. इससे फर्जी और अवैध ऑटो संचालन पर भी अंकुश लगा है.

रेल यात्रियों से क्यूआर कोड स्कैन कर वोट करने की अपील

जीआरपी के अनुसार इस पहल से रेलवे परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक सुदृढ़ हुई है. अब इस पहल को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए जनसहयोग की आवश्यकता है. जीआरपी इंदौर ने आम यात्रियों से अपील की है कि वे उपलब्ध कराए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर हमारी सवारी भरोसे वाली के पक्ष में अपना समर्थन दें. रेलवे एसपी पद्मविलोचन शुक्ला का कहना है कि प्रत्येक नागरिक का समर्थन सुरक्षित रेल यात्रा, तकनीक आधारित पुलिस व्यवस्था और जीआरपी इंदौर के सराहनीय कार्यों को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाने में सहायक होगा. यह सुरक्षित और भरोसेमंद रेल यात्रा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा.

देशी कट्टा, फलिया, टामी के साथ तीन को पकड़ा

- अलग-अलग स्थानों पर पुलिस ने की कार्रवाई

इंदौर. शहर में अवैध हथियारों पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हथियारों के साथ आरोपियों को पकड़ा है. तेजाजी नगर, कनाड़िया और बाणगंगा थाना क्षेत्रों में की गई इन कार्रवाइयों में देशी कट्टा, जिंदा कारतूस, धारदार फलिया और खटकेदार चाकू जब्त किए हैं. सभी मामलों में आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है.

तेजाजी नगर थाने में पदस्थ सबउपनिरीक्षक राकेश सोलंकी ने बताया कि थाना क्षेत्र में मछली फार्म तालाब के पास देर रात कार्रवाई की गई. पुलिस ने मौके से दो युवकों को हथियारों के साथ पकड़ा. जांच और तलाशी के दौरान एक आरोपी के पास से एक देशी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस मिले, जबकि दूसरे आरोपी के कब्जे से लोहे की टामी और लोहे की पत्ती बरामद हुई. इसी तरह कनाड़िया थाना क्षेत्र में स्नेहजीव गार्डन के पास बिचौली हप्सी रोड पर पुलिस ने एक युवक को धारदार हथियार के साथ पकड़ लिया. प्रधान आरक्षक पंकज जाधव ने बताया कि आरोपी के पास से लोहे का तेज धारदार फलिया बरामद हुआ. पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है.

समस्या अधूरे निर्माण कार्य की वजह से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है आमजन को

समय सीमा निकलने के बावजूद पूरे नहीं हो पाए फ्लाई ओवर

इंदौर. दिनोंदिन चरमराती यातायात व्यवस्था और किसी भी वक्त लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए शहर में कई फ्लाई ओवर का निर्माण किया गया और वर्तमान में कई फ्लाई ओवर का निर्माण जारी भी है. लेकिन, इनमें कुछ ऐसे निर्माण हैं, जो समय सीमा निकलने के बावजूद पूरे नहीं हो पाए हैं. इन अधूरे निर्माण कार्य की वजह से आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है.

मूसाखेड़ी पूर्व रिंग रोड चौराहे पर भी एक विशाल फ्लाई ओवर का कार्य प्रगति पर है. वर्तमान स्थिति में देखा जाए तो इसका 50 प्रतिशत कार्य ही हुआ है, जबकि इस कार्य को आरंभ हुए करीब डेढ़ वर्ष से ज्यादा हो चुके हैं. जानकारी के अनुसार इस कार्य को वर्ष 2025 के दिसंबर या वर्ष 2026 के जनवरी-फरवरी माह में पूरा हो जाना था, लेकिन बताया जाता है कि ब्रिज के निर्माण पूरा होने में तकरीबन एक वर्ष और लगेगा. धीमी गति से कार्य होने पर आम जनता को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. फ्लाई ओवर के आसपास सर्विस रोड पर सुबह से लेकर देर रात तक जाम की स्थिति बनी रहती है. इसी मार्ग से दिन भर सैकड़ों यात्री बसों का आना-जाना रहता है. जाम के कारण व्यापार प्रभावित हो रहा है. राहगीरों के साथ -साथ आसपास के रहवासी भी मंद गति से चल रहे इस कार्य से तंग आ [illegible] हैं.

यह बोले रहवासी...

सर्विस रोड पर जगह बहुत सकरी है सैकड़ों बसें और हजारों वाहन रोज यहां से गुजरते हैं, जिसके कारण सुबह से लेकर शाम तक कई बार जाम लग जाता है. जाम के कारण यहां का व्यापार प्रभावित हुआ है.

- चंद्र सिंह चौहान

कई जगह गड्ढे हैं. कई बार रिक्शा और बाइक उसमें गिर जाते हैं और लोग घायल होते रहते हैं. कई बार तो वे गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं और अस्पताल में भर्ती होना पड़ता है. एक लडके का तो पैर ही टूट गया, वाहनों में भी टूट-फूट होती रहती है.

- कमला बाई

ब्रिज कार्य के कारण पूरा यातायात यहां से निकलता है, क्षेत्र के लोग काफी परेशान हैं. महिलाएं निकल नहीं सकतीं, बच्चे स्कूल जाते हैं, वे भी असुरक्षित हैं, चलने तक की जगह नहीं मिलती.

- मंगी बिलवे